

उत्तर प्रदेश के 14 व्यक्तियों को पद्म पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

25 जनवरी, 2022 को 73वें गणतंत्र दविस की पूरव संध्या पर राष्ट्रपतिने वर्ष 2022 के लयि 128 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की। उत्तर प्रदेश से 14 व्यक्तीन पुरस्कारों की सूची में शामिल हैं।

प्रमुख बदि

- पद्म पुरस्कार देश का सर्वोच्च नागरकि सम्मान है। इसे तीन श्रेणियों में प्रदान कयि जाता है। इन तीन श्रेणियों में पद्मवभूषण, पद्मभूषण और पद्मश्री शामिल हैं।
- असाधारण और वशिषिट सेवा के लयि 'पद्म वभूषण', उच्च कोटि की वशिषिट सेवा के लयि 'पद्मभूषण' और कसिी भी क्षेत्र में वशिषिट सेवा के लयि 'पद्मश्री' पुरस्कार प्रदान कयि जाता है।
- ये पुरस्कार वभिनिन वषियों/क्षेत्रों, अर्थात् कला, सामाजकि कार्य, सार्वजनकि मामले, वज्जान व इंजीनयिरगि, व्यापार एवं उद्योग, चकित्सा, साहित्य व शकिषा, खेल, सविलि सेवा इत्यादि में प्रदान कयि जाते हैं।
- इन पुरस्कारों की घोषणा राष्ट्रपति द्वारा हर वर्ष 'गणतंत्र दविस' के अवसर पर की जाती है तथा आमतौर पर मार्च/अप्रैल में राष्ट्रपति भवन में आयोजति कयि जाने वाले औपचारकि समारोहों में ये पुरस्कार प्रदान कयि जाते हैं।
- इस वर्ष राष्ट्रपतिने 128 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंजूरी दी है, जनिमें 2 जोड़ी पुरस्कार (कसिी जोड़ी को दयि गए पुरस्कार की गणना एक पुरस्कार के रूप में की जाती है) भी शामिल हैं। इस सूची में 4 पद्मवभूषण, 17 पद्मभूषण और 107 पद्मश्री पुरस्कार शामिल हैं।
- पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वालों में 34 महिलाएँ हैं और इस सूची में 10 व्यक्ती विदिशी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई श्रेणी के अंतर्गत आते हैं तथा 13 व्यक्तियों को मरणोपरांत पुरस्कार दयि गया है।
- वर्ष 2022 के लयि घोषति पद्म पुरस्कारों की सूची में उत्तर प्रदेश के नमिनलखिति व्यक्ती शामिल हैं-
 - राधेश्याम खेमका (मरणोपरांत) एवं कल्याण सहि (मरणोपरांत) को क्रमशः साहित्य एवं शकिषा तथा सार्वजनकि मामले के क्षेत्र में भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरकि सम्मान 'पद्मवभूषण' के लयि चुना गया है।
 - राशदि खान को कला के क्षेत्र में तथा वशिषिट त्रपिठी को साहित्य और शकिषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु 'पद्मभूषण' के लयि चुना गया है।
 - इसी प्रकार सुश्री कमलनि अस्थाना और सुश्री नलनि अस्थाना (कला), शीशराम (कला), सेठ पाल सहि (कृषि), सुश्री वदिया वदि सहि (साहित्य और शकिषा), शविानंद (योग), अजय कुमार सोनकर (वज्जान एवं अभयिांतरकि), सुश्री अजतिा श्रीवास्तव (कला), डॉ. कमलाकर त्रपिठी (चकित्सा) तथा शविनाथ मशिर (कला) को पद्मश्री पुरस्कार के लयि चुना गया है।